MISSION EDUCATION
OUR MOTTO

व्याकरण

क्षितिज

भाग–4

समस्त पाठों का संपूर्ण हल

Horizon PRESS
GLOBAL EDUCATION SOLUTIONS
Publishers, Printers and Exporters of High Quality Books

विषय सूची

1.	भाषा और व्याकरण	3
2.	वर्ण विचार	4
3.	शब्द विचार	6
4.	संज्ञा	8
5.	लिंग	9
6.	वचन	11
7.	कारक	13
8.	सर्वनाम	16
9.	विशेषण	19
10.	क्रिया	22
11.	काल	23
12.	क्रियाविशेषण	25
13.	संबंधबोधक	27
14.	समुच्चयबोधक	29
15.	विस्मयादिबोधक	31
16.	संधि	32
17.	समास	34
18.	उपसर्ग और प्रत्यय	35
19.	विराम चिह्न	37
20.	शब्द भंडार	38
21.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	40
22.	संवाद लेखन	41
23.	कहानी लेखन	43
24.	पत्र लेखन	44
25.	निबंध लेखन	47

Published by :

Horizon PRESS

GLOBAL EDUCATION SOLUTIONS

Publishers, Printers and Exporters of High Quality Books

e-mail : horizonpress.suggestion@gmail.com

© Publisher

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the publisher.

1. भाषा और व्याकरण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. भाषा किसे कहते हैं?

उत्तर– भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने मन के भाव एवं विचारों को बोलकर अथवा लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करते हैं।

प्रश्न 2. भाषा के कितने और कौन–कौन से भेद हैं?

उत्तर– भाषा के मुख्य रूप से निम्नलिखित दो भेद हैं–

1. मौखिक भाषा
2. लिखित भाषा

प्रश्न 3. लिपि से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– भाषा के लिखित रूप के लिए जिन ध्वनि-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं।

प्रश्न 4. बोली किसे कहते हैं?

उत्तर– बोली केवल बोलचाल के काम आती है। इसका लिखित रूप नहीं होता। यह भाषा की आरंभिक अवस्था है।

अत: "किसी छोटे क्षेत्र में बोला जाने वाला भाषा का स्थानीय रूप बोली कहलाता है।"

प्रश्न 5. व्याकरण का हमारे लिए क्या महत्व है?

उत्तर– किस शब्द का प्रयोग कब, कहाँ और कैसे करना है, इसका ज्ञान व्याकरण कराता है। व्याकरण के ज्ञान के बिना किसी भी भाषा के शुद्ध रूप व प्रयोग को नहीं सीखा जा सकता ।

प्रश्न 6. व्याकरण के कितने भेद हैं? प्रत्येक का नाम लिखिए।

उत्तर– व्याकरण के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं–

1. वर्ण विचार
2. शब्द विचार
3. वाक्य विचार

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जब हम अपने मन के भाव एवं विचार मुख से बोलकर प्रकट करते हैं, तो भाषा के इस रूप को **मौखिक भाषा** कहते हैं।
2. जब हम कोई बात बोलते हैं, तो हमारे मुख से अनेक **ध्वनियाँ** निकलती हैं।
3. जो भाषा हम बोलते हैं, उसका क्षेत्रीय रूप **बोली** कहलाता है।

4. हिंदी भाषा **देवनागरी** लिपि में लिखी जाती है।

5. **व्याकरण** हमें किसी भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने तथा पढ़ने का ज्ञान कराता है।

(ग) निम्नलिखित कथनों में भाषा का कौन–सा रूप प्रकट हो रहा है?

1. शैली द्वारा पत्र लिखना।	**लिखित**
2. माँ का बच्चे को लोरी सुनाना।	**मौखिक**
3. पिताजी द्वारा समाचारपत्र पढ़ना।	**मौखिक**
4. आपस में बातचीत करना।	**मौखिक**

2. वर्ण विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. वर्ण किसे कहते हैं?

उत्तर– बोलते समय हम मुख से कुछ ध्वनियों का उच्चारण करते हैं। 'ध्वनि' भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है। 'ध्वनि' को ही 'वर्ण' कहा जाता है।

अत: इस प्रकार "भाषा की मौखिक या लिखित सबसे छोटी ध्वनि, जिसके और खंड न किए जा सकें, वर्ण कहलाती है।"

प्रश्न 2. वर्ण कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक का उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– वर्ण निम्नलिखित तीन प्रकार के होते हैं–

1. स्वर 2. व्यंजन 3. अयोगवाह

उदाहरण–

स्वर– जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य ध्वनि की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी भाषा की वर्णमाला में 11 स्वर होते हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

व्यंजन– जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी भाषा की वर्णमाला में 33 व्यंजन होते हैं,

क वर्ग	–	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	–	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	–	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	–	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	–	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ	–	य	र	ल	व	
ऊष्म	–	श	ष	स	ह	

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

अयोगवाह– जो वर्ण न तो स्वर है और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। ये है– अं (अनुस्वार), अँ (अनुनासिक) और अः (विसर्ग)।

प्रश्न 3. स्वर किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं?

उत्तर– जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य ध्वनि की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी भाषा की वर्णमाला में ग्यारह स्वर होते हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

या

"जिन वर्णों के उच्चारण में श्वास-वायु बिना किसी रुकावट के मुख से निकलती है उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी भाषा की वर्णमाला में 11 स्वर हैं।"

स्वर के तीन भेद होते हैं–

1. ह्रस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर 3. प्लुत स्वर

प्रश्न 4. व्यंजन किसे कहते हैं। इसके कितने भेद होते हैं?

उत्तर– व्यंजन– वे वर्ण/ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता ली जाती है, व्यंजन कहलाती हैं। इनका उच्चारण करते समय हवा मुख से अलग-अलग स्थानों को छूकर बाहर निकलती है। इनकी संख्या 33 होती हैं।

इसके तीन भेद होते हैं–

1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन

प्रश्न 5. कौन–कौन से वर्ण अयोगवाह होते हैं? प्रत्येक के तीन–तीन उदाहरण दीजिए।

उत्तर– जो वर्ण न तो स्वर है और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं। ये हैं– अं (अनुस्वार), अँ (अनुनासिक) और अः (विसर्ग)।

उदाहरण– अं (ं) – झंडा, पतंग, जंगल आदि।

अँ (ँ) – चाँद, दाँत, ऊँट आदि।

अः (ः) – प्रातः, पुनः, अतः आदि।

(ख) सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए–

1. ध्वनि भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है। ✓
2. वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं। ✓
3. जिन वर्णों के उच्चारण में ध्वनि की आवश्यकता नहीं पड़ती, उन्हें स्वर कहते हैं। ✓
4. जिन स्वरों के उच्चारण में बहुत कम समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ✗
5. श, ष, स और ह ऊष्म व्यंजन हैं। ✓

(ग) निम्नलिखित ध्वनियों को जोड़कर शब्द बनाइए–

र् + ए + ड् + इ + य + ओ – **रेडियो**

त् + अ + क् + इ + य् + आ – **तकिया**

म् + इ + श् + र + ण + अ – **मिश्रण**

क् + अ + ट् + ओ + र् + आ – **कटोरा**

3. शब्द विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. शब्द किसे कहते हैं?

उत्तर– जब हम बोलते हैं तो हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं, जिनके मेल से शब्द बनते हैं।
इस प्रकार "एक से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।"
जैसे– पाठशाला, बच्चा आदि।

प्रश्न 2. अर्थ के आधार पर शब्द के कौन-कौन से भेद होते हैं?

उत्तर– अर्थ के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं–
1. सार्थक शब्द 2. निरर्थक शब्द

प्रश्न 3. रूढ़ और योगरूढ़ शब्दों में क्या अंतर है?

उत्तर– रूढ़ और योगरूढ़ शब्द में अंतर–

रूढ़	योगरूढ़
1. वे शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु या प्राणी आदि के लिए प्रयोग होते रहे हैं, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे– आदमी, घोड़ा, घर आदि। 2. इन शब्दों के खंड करने पर इनका कोई अर्थ नहीं निकलता।	वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बनते हैं यौगिक शब्द कहलाते हैं। जैसे– भोजनालय = भोजन + आलय सुपुत्र = सु + पुत्र। इन शब्दों के खंड किए जा सकते हैं खंडित शब्दों के भी अर्थ होते हैं।

प्रश्न 4. हिंदी भाषा में उत्पत्ति के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर– हिंदी भाषा में उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–
1. तत्सम शब्द
2. तद्भव शब्द
3. देशज शब्द
4. विदेशी शब्द

प्रश्न 5. तत्सम और तद्भव शब्दों में क्या अंतर है?

उत्तर– तत्सम और तद्भव शब्दों में अंतर–

तत्सम	तद्भव
1. जो शब्द संस्कृत भाषा से ज्यों के त्यों लिए गए हैं, तत्सम शब्द होते हैं। 2. संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो बिना किसी परिवर्तन के उसी रूप में हिंदी में भी प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द होते हैं। जैसे– मुनि, कवि, लता, गुरू, बालक, नदी आदि।	जो शब्द अपने मूल रूप से बदले हुए रूप में प्रयुक्त होते हैं, तद्भव शब्द होते हैं। संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो थोड़ा परिवर्तित होकर हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तद्भव कहलाते हैं। जैसे– 'घृत' शब्द से बनता है– 'घी' 'गृह' शब्द से बनता है– 'घर' 'घी' और 'घर' तद्भव शब्द हैं।

(ख) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पनर एक **निरर्थक** शब्द है। (सार्थक, निरर्थक)
2. राम एक सार्थक **शब्द** है। (शब्द, वाक्य, वर्ण)
3. शब्दों को हम **दो** भागों में विभाजित कर सकते हैं। (चार, दो, दस)
4. संज्ञा और सर्वनाम **विकारी** शब्दों के उदाहरण हैं। (विकारी, अविकारी, सार्थक)
5. समुच्चयबोधक **अविकारी** शब्दों का उदाहरण है। (विकारी, अविकारी, सार्थक)

(ग) निम्नलिखित शब्दों को उचित श्रेणी में रखिए–

घोड़ा, हाथ, कुरसी, अलमारी, आग, नेत्र, पवन, डोरी, मशीन, एक्स-रे, कमल, थैला, पगड़ी, पुलिस।

तत्सम	**नेत्र, कमल, पवन।**
तद्भव	**आग, घोड़ा, हाथ, कुरसी, अलमारी।**
देशज	**थैला, पगड़ी, डोरी।**
विदेशी	**पुलिस, मशीन, एक्स-रे।**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को सही करके लिखिए–

1. कुछ है पड़ा दूध में। **दूध में कुछ पड़ा है।**
2. खट्टी है दही। **दही खट्टी है।**
3. उसका घड़ी खराब है। **उसकी घड़ी खराब है।**
4. पुस्तकें पाँच लें खरीद। **पाँच पुस्तकें खरीद लें।**
5. सो करेगा, जो भरेगा। **जो करेगा, सो भरेगा।**

4. संज्ञा

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी अथवा भाव आदि का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण– 1. **प्रियंका गाँधी** और **राहुल गाँधी** बहन–भाई हैं।

2. मेरी माताजी प्रतिदिन **रामायण** का पाठ करती हैं।

3. कॉमनवेल्थ गेम्स **दिल्ली** में होंगे।

4. **गरीबी** बहुत बड़ा **अभिशाप** है।

उपर्युक्त वाक्यों में–

प्रियंका गाँधी, राहुल गाँधी	– व्यक्ति	ये चारों ही संज्ञा हैं।
रामायण	– वस्तु	
दिल्ली	– स्थान	
गरीबी, अभिशाप	– भाव	

प्रश्न 2. व्यक्तिवाचक संज्ञा व जातिवाचक संज्ञा में क्या अंतर है?

उत्तर– व्यक्तिवाचक व जातिवाचक संज्ञा में अंतर–

व्यक्ति वाचक	जातिवाचक
1. व्यक्ति वाचक संज्ञा से किसी विशेष वस्तु या स्थान के बारे में पता चलता है; जैसे– मुंबई, हिमालय, मनमोहन सिंह, महाभारत आदि।	जातिवाचक संज्ञा से जीवों अथवा वस्तुओं की पूरी जाति का पता चलता है; जैसे– शेर, हाथी, राजा, डाकघर आदि।
2. व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग कभी–कभी जातिवाचक संज्ञा के रूप में भी किया जाता है। जैसे– हमारे देश में रावणों की कमी नहीं है।	जातिवाचक संज्ञाएँ गणनीय होती हैं। जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग बहुवचन के रूप में होता है।

प्रश्न 3. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति अथवा वस्तु के गुण, दोष, भाव, दशा आदि की जानकारी मिलती है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं; उदाहरण–

1. हमीद की **ईमानदारी** ने सबको प्रभावित किया।

2. हमें किसी की **बुराई** नहीं करनी चाहिए।

3. कृष्ण, सुदामा की **मित्रता** बहुत गहरी थी।

उपर्युक्त वाक्यों में ईमानदारी, बुराई, मित्रता भाववाचक संज्ञा का बोध कराते हैं।

प्रश्न 4. समूहवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर– जिन शब्दों से वस्तुओं अथवा प्राणियों के समूह की जानकारी मिलती है, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण– 1. सड़क पर **भीड़** जमा हो गई।

2. मेरे **परिवार** में सात सदस्य हैं।

3. हमारा **दल** मैच जीत गया।

उपर्युक्त वाक्यों में भीड़, परिवार, दल शब्दों से समूहवाचक संज्ञा का पता चलता है।

प्रश्न 5. द्रव्यवाचक संज्ञा की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर– जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्य या पदार्थ का बोध होता है, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण– 1. दो किलो **अरहर** की दाल चाहिए।

2. मेरी अँगूठी **सोने** की है।

3. ज्यादा **घी** खाने से मोटापा बढ़ता है।

उपर्युक्त वाक्यों में अरहर, सोने, घी शब्द द्रव्यवाचक संज्ञा को बता रहे हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–

1. मैदान में गायें चर रही हैं।
2. ग्वाला दूध बेचता है।
3. प्रसन्नता मनुष्य का एक गुण है।
4. गंगा एक पवित्र नदी है।

5. लिंग

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. लिंग किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति अथवा पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

उदाहरण– 1. **माँ** बाजार जा रही हैं।

2. **पिताजी** फोन सुन रहे हैं।

3. **लड़की** खेल रही है।

4. **लड़का** पढ़ रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में माँ, लड़की शब्द स्त्रीलिंग का बोध करा रहे हैं। पिताजी, लड़का शब्द पुल्लिंग का बोध करा रहे हैं।

प्रश्न 2. लिंग कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक के दो–दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– लिंग के दो भेद होते हैं–

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग– शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

उदाहरण– 1. **घोड़ा** घास चरता है।

2. मेरे **मामा** दिल्ली रहते हैं।

3. **कवि** कविता लिखता है।

उपर्युक्त वाक्यों में घोड़ा, मामा, कवि शब्द पुल्लिंग का बोध करा रहे हैं।

2. स्त्रीलिंग– शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति का बोध हो, वह स्त्रीलिंग कहलाता हैं।

उदाहरण– 1. **गिलहरी** काजू खाती है।

2. **गंगा** बह रही है।

3. मुझे आलू की **सब्जी** पसंद है।

उपर्युक्त वाक्यों में गिलहरी, गंगा, सब्जी शब्द स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शब्दों की स्त्री या पुरुष जाति बताने वाला संज्ञा का रूप **लिंग** कहलाता है।
2. स्त्री जाति के शब्दों को **स्त्रीलिंग** कहते हैं।
3. पुरुष जाति के शब्दों को **पुल्लिंग** कहते हैं।
4. नौकर, राम, मोर आदि **पुल्लिंग** होते हैं।
5. शेरनी, रानी, सेविका आदि **स्त्रीलिंग** होते हैं।

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए–

कवि	**कवयित्री**
सिंह	**सिंहनी**
प्रिय	**प्रिया**
सेठ	**सेठानी**
धावक	**धाविका**
भतीजा	**भतीजी**
गाय	**बैल**
नौकर	**नौकरानी**
तेली	**तेलिन**
चूहा	**चुहिया**
देवी	**देव**
पुत्री	**पुत्र**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. नल और दमयन्ती वन को गई।	**नल और दमयन्ती वन में गए।**
2. वह धीमी स्वर में बोली।	**वह धीमे स्वर में बोली।**
3. वह छठे कक्षा में पढ़ती है।	**वह छठी कक्षा में पढ़ती है।**
4. उसे बहुत आनंद आती है।	**उसे बहुत आनंद आता है।**
5. यह पुस्तक उसने पढ़ा है।	**यह पुस्तक उसने पढ़ी है।**

(ड.) निम्नलिखित शब्दो के लिंग बदलकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

अध्यापक चूहा मेंढक कवि हंस लुटिया

1. अध्यापक – अध्यापिका **प्रयोग** – अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही है।

2. चूहा – चुहिया **प्रयोग** – बिल्ली को देखकर चुहिया बिल में घुस गई।

3. मेंढक – मेंढकी **प्रयोग** – मेंढकी पानी में कूद गई।

4. कवि – कवयित्री **प्रयोग** – कवयित्री कविता लिख रही है।

5. हंस – हंसिनी **प्रयोग** – हंसिनी का रंग सफेद है।

6. लुटिया – लोटा **प्रयोग** – लोटा पानी से भरा है।

6. वचन

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. वचन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर– शब्द के जिस रूप से उसके एक अथवा एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

उदाहरण– 1. **फ्रिज** में **सब्जियाँ** रखी हैं।

2. **तालाब** में **मछलियाँ** तैर रही हैं।

3. **बच्चे** पढ़ाई-लिखाई कर रहे हैं।

4. **माली पौधे** सींच रहा है।

उपर्युक्त वाक्यों में फ्रिज, तालाब, माली शब्द उनके एक होने का एकवचन तथा सब्जियाँ, मछलियाँ, बच्चे, पौधे बहुवचन होने का बोध करा रहे हैं।

प्रश्न 2. वचन के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक के दो–दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– वचन के दो भेद होते हैं–

1. एकवचन 2. बहुवचन

उदाहरण–

एकवचन– 1. **लड़की** खड़ी है।

2. **बच्चा** खेल रहा है।

बहुवचन– 1. **लड़कियाँ** खड़ी हैं।

2. **बच्चे** खेल रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में लड़की, बच्चा एकवचन और लड़कियाँ, बच्चे बहुवचन का बोध करा रहे हैं।

प्रश्न 3. एकवचन किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– शब्द के जिस रूप से एक संख्या का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं।

उदाहरण– 1. **पत्ता** हिल रहा है।

2. हाथी **गन्ना** खा रहा है।

3. कमला ने **माला** पहनी है।

उपर्युक्त वाक्यों में पत्ता, गन्ना, माला एकवचन का बोध करा रहे हैं।

प्रश्न 4. बहुवचन किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– शब्द के जिस रूप से अनेक संख्याओं का बोध होता है उसे बहुवचन कहते हैं।

उदाहरण– 1. **पत्ते** हिल रहे हैं।

2. हाथी **गन्ने** खा रहे हैं।

3. कमला ने **मालाएँ** पहनी हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में पत्ते, गन्ने, मालाएँ शब्द बहुवचन का बोध करा रहे हैं।

(ख) रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्यों को फिर से लिखिए–

1. अलमारी में **पुस्तकें** पड़ी हैं।	**अलमारी में पुस्तक पड़ी है।**
2. उसने दर्जी से **कपड़ा** सिलवाया।	**उसने दर्जी से कपड़े सिलवाए।**
3. वह **महिला** इस मकान में नहीं रहती।	**वे महिलाएँ इस मकान में नहीं रहती।**
4. आकाश में **चिड़ियाँ** उड़ रही हैं।	**आकाश में चिड़िया उड़ रही है।**
5. कमरे में **बच्चा** खेल रहा है।	**कमरें में बच्चे खेल रहे हैं।**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में वचन संबंधी अशुद्धियाँ हैं, उन्हें ठीक करके लिखिए–

1. प्राण निकल गया।	**प्राण निकल गए।**
2. आपको मेरे नमस्कार पहुँचे।	**आपको मेरा नमस्कार पहुँचे।**
3. पाँच व्यक्ति के लिए भोजन बना है।	**पाँच व्यक्तियों के लिए भोजन बना है।**
4. बच्ची गीत गा रही थीं।	**बच्चियाँ गीत गा रही थीं।**
5. उग्रवादियों ने गोले और तोपों से हमला किया।	**उग्रवादियों ने गोलों और तोपों से हमला किया।**

7. कारक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. कारक किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया तथा वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उसके संबंध का पता चलता है, उस कारक कहते हैं।

या

संज्ञा अथवा सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिह्न अथवा परसर्ग ही कारक कहलाते हैं।

उदाहरण–

1. सारा काम नौकरानी **ने** किया।
2. पुलिस ने चोर **को** पकड़ लिया।
3. पिताजी हवाई जहाज **से** मुंबई पहुँचे।
4. ये फल रोगी **के लिए** हैं।
5. मैं तुम **से** बड़ा हूँ।
6. राम **का** भाई लक्ष्मण है।
7. बच्चा मेज **पर** बैठा है।
8. **हे** भगवान! मेरी रक्षा करो।

उपर्युक्त वाक्यों में नौकरानी, चोर, हवाई जहाज, रोगी, तुम, राम, मेज, भगवान आदि संज्ञा सर्वनाम शब्दों के साथ ने, को, से, के लिए, से, का, पर, हे आदि शब्द आए हैं। ये सभी शब्द संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के साथ संबंध स्थापित करने का काम करा रहे हैं तथा उन्हें अर्थपूर्ण बना रहे हैं।

प्रश्न 2. कारक कितने प्रकार के होते हैं। प्रत्येक का उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– कारक आठ प्रकार के होते हैं–

1. कर्ता कारक– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया (कार्य) के करने वाले का बोध होता है, वह कर्ता कारक कहलाता है। इसकी विभक्ति **ने** है।

उदाहरण– 1. **नितेश** पढ़ रहा है।
2. **नेहा ने** दरवाजा खोला।
3. **माँ ने** खाना बनाया।

उपर्युक्त वाक्यों में पढ़ने का काम **नितेश ने,** दरवाजा खोला **नेहा ने**, खाना बनाया **माँ ने,** ये तीनों ही कर्ता कारक हैं।

2. कर्म कारक– शब्द के जिस रूप से क्रिया का फल पड़े उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्म कारक का परसर्ग 'को' होता है।

उदाहरण– 1. माँ **बच्चे को** बुलाती है।

2. कार्तिक **गिटार** बजाता है।

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में दो अलग-अलग बातें हैं। पहले वाक्य में 'को' परसर्ग का प्रयोग हुआ है, परंतु दूसरे वाक्य में किसी भी परसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है, लेकिन दोनों वाक्यों में एक समानता है कि दोनों ही वाक्य किसी-न-किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं।

माँ किसको बुलाती है?– बच्चे को, इसमें बच्चा कर्म है तथा 'बुलाती है' क्रिया।

इसी प्रकार दूसरे वाक्य में क्या प्रश्न का उत्तर मिल रहा है, जैसे– कार्तिक क्या बजाता है?– गिटार, गिटार कर्म है तथा 'बजाता है' क्रिया।

3. करण कारक– कर्ता जिस साधन या माध्यम से कार्य करता है, उस साधन या माध्यम को करण कारक कहते हैं।

उदाहरण– 1. नेहा **पेन से** पत्र लिख रही है।

2. कनिका चाकू **के द्वारा** फल काट रही है।

नेहा किससे पत्र लिख रही है?– पेन से, कनिका किसके द्वारा फल काट रही है?– चाकू के द्वारा, 'पेन' और 'चाकू' करण कारक है।

4. संप्रदान कारक– जहाँ कर्ता जिसके लिए कार्य करता है या जिसे कुछ देता है, उस भाव को बताने वाले शब्द संप्रदान कारक कहलाते हैं।

इस कारक के परसर्ग हैं– को, के लिए, हेतु।

उदाहरण– 1. पिताजी ने **सुमित को** पेन दिया।

2. आभा ने **भिक्षुक के लिए** कपड़े दिए।

उपर्युक्त वाक्यों में पिताजी ने किसको पेन दिया?– सुमित को, आभा ने किसके लिए कपड़े दिए?– भिक्षुक के लिए।

5. अपादान कारक– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी वस्तु से पृथक् होना पाया जाए, वह अपादान कारक कहलाता है। यह कारक की विभक्ति से पृथक् होता है।

उदाहरण– 1. बच्चा **छत से** गिर पड़ा।

2. अमन **वृक्ष से** गिरा।

पहले वाक्य में बच्चा कहाँ 'से' गिरा?– छत से, दूसरे वाक्य में अमन कहाँ से गिरा?–वृक्ष से, दोनों वाक्यों में पृथक् होने का भाव है, अतः 'छत' और 'वृक्ष' अपादान कारक है।

6. संबंध कारक– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी व्यक्ति अथवा वस्तु का दूसरी वस्तु अथवा व्यक्ति से संबंध प्रकट हो, वह संबंध कारक कहलाता है। इस कारक की विभक्ति का, की, के हैं।

उदाहरण– 1. यह **कोमल का** घर है।

2. यह **कपड़े की** दुकान है।

यह किसका घर है? – कोमल का

यह किस चीज की दुकान है? – कपड़े की

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में 'कोमल' का संबंध घर से और 'कपड़ों' का संबंध दुकान से प्रकट हो रहा है। इन वाक्यों को क्रमशः 'का' और 'की' द्वारा जोड़ा गया है। यहाँ कोमल और कपड़े संबंध कारक हैं।

7. अधिकरण कारक– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के आधार का बोध होता है, वह अधिकरण कारक कहलाता है। इस कारक की विभक्ति में, पर होती हैं।

उदाहरण– 1. **बोतल में** दूध है।

2. **मेज पर** गिलास है।

दूध कहाँ है? – बोतल में

गिलास कहाँ पर है? – मेज पर

उपर्युक्त वाक्यों में 'बोतल' और 'मेज' अधिकरण कारक हैं।

8. संबोधन कारक– जिसे संबोधित किया गया हो, वह संबोधन कारक कहलाता है। इस कारक की विभक्ति हे, अरे होती हैं।

उदाहरण– 1. **हे प्रभु**! हम सबकी रक्षा करो।

2. **रेखा**! तुम अभी यहीं हो।

उपर्युक्त वाक्यों में 'हे प्रभु' और 'रेखा' शब्दों के द्वारा संबोधन किया गया है, अतः ये संबोधन कारक हैं।

प्रश्न 3. करण कारक व अपादान कारक में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– करण कारक और अपादान कारक में अंतर–दोनों का परसर्ग 'से' होता है, परन्तु दोनों में अंतर है। करण कारक में 'से' परसर्ग का प्रयोग साधन के अर्थ में किया जाता है, जबकि अपादान कारक में 'से' परसर्ग का प्रयोग अलग होने, दूरी बताने, तुलना करने, डरने तथा लजाने आदि के अर्थ में किया जाता है।

करण कारक की पहचान के लिए क्रिया के साथ किससे, किसके साथ, किसके द्वारा लगाकर प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए जाते हैं। जो शब्द इन प्रश्नों के उत्तर में आते हैं, वे करण कारक कहलाते हैं। अपादान कारक की पहचान के लिए क्रिया के साथ कहाँ से, किससे लगाकर प्रश्न किया जाता है, फिर उसका जो उत्तर आता है, वह अपादान कारक होता है।

प्रश्न 4. कर्म कारक तथा संप्रदान कारक में अंतर बताइए।

उत्तर– कर्म कारक तथा संप्रदान कारक में अंतर– इन दोनों कारकों में 'को' विभक्ति का प्रयोग हो सकता है, परन्तु अर्थ की दृष्टि से इनमें अंतर होता है। कर्म कारक में जिस शब्द के साथ 'को' जुड़ जाता है, उस पर क्रिया का फल पड़ता है। जैसे– रमेश ने महेश को पीटा– इस वाक्य में पीटा क्रिया का फल महेश पर पड़ रहा है।

अतः महेश कर्म कारक है।

संप्रदान कारक में 'को' का अर्थ 'के लिए' के वास्ते होता है तथा इससे किसी को कुछ देने का बोध होता है। जैसे– मंजुला ने गरीब व्यक्ति को भोजन दिया। इस वाक्य में 'देने' का भाव है अतः 'व्यक्ति को' संप्रदान कारक है।

(ख) नीचे कारकों की विभक्तियाँ दी गई हैं, उनके सामने कारकों के नाम लिखिए–

का	**संबंध कारक**	के द्वारा	**करण कारक**
से	**करण कारक**	से (पृथक्)	**अपादान कारक**
को	**कर्म कारक**	ने	**कर्ता कारक**
में	**अधिकरण कारक**	पर	**अधिकरण कारक**
के लिए	**संप्रदान कारक**	हे!	**संबोधन कारक**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में विभक्ति संबंधी अशुद्धियाँ हैं, उन्हें ठीक करके पुनः लिखिए–

1. मैंने पारुल को पूछा।	**मैंने पारुल से पूछा।**
2. उसने कलकत्ता जाना था।	**उसको कलकत्ता जाना था।**
3. रेणु से खाना नहीं खाया।	**रेणु ने खाना नहीं खाया।**
4. अपना काम अपने हाथ में कीजिए।	**अपना काम अपने हाथ से कीजिए।**
5. इस बात को कहने से मुझे कोई संकोच नहीं है।	**इस बात को कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है।**

8. सर्वनाम

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर– सर्वनाम शब्द दो शब्दों के मेल से बना है– 'सर्व' और 'नाम'। सर्व का अर्थ है 'सब' और 'नाम' का अर्थ है किसी का भी नाम।

इस प्रकार

''किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।''

जैसे– मैं, हम, तू, तुम, आप, यह, वह, जो कोई, कुछ, कौन, क्या आदि।

उदाहरण– **रेखा** सातवीं कक्षा में पढ़ती है। **वह** पढ़ाई में बहुत तेज है। **उसके** सभी मित्र **उससे** प्रसन्न रहते हैं। **वह** कभी–भी **स्वयं** पर घमंड नहीं करती । वह **अपने** माता-पिता का आदर करती है।

इस अनुच्छेद में रेखा के स्थान पर वह, उसके, उससे, स्वयं, अपने आदि शब्दों का प्रयोग हुआ है। अतः ये सभी शब्द सर्वनाम हैं।

प्रश्न 2. सर्वनाम के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक के दो–दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– सर्वनाम के निम्नलिखित छह भेद होते हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम शब्द किसी व्यक्ति के नाम के स्थान पर प्रयुक्त किये जाते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

या

"बोलने वाले, सुनने वाले तथा जिसके विषय में बात होती है, उनके लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।"

उदाहरण– 1. **हम-तुम**

2. **मैं** अपना काम खुद करता हूँ।

3. **तुम्हारा** नाम क्या है?

4. **वह** कल आएगा।

'हम-तुम', 'मैं', 'तुम्हारा', 'वह' आदि सर्वनाम शब्द हैं जो बोलने वाले, सुनने वाले तथा किसी अन्य के विषय में बता रहे हैं।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु की ओर संकेत करे, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण– 1. **यह** मेरा घर है।

2. **ये** फल मीठे हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'यह', 'ये', निश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो, उन्हे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण– 1. बाहर **कोई** खड़ा है।

2. दूध में **कुछ** गिर गया है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कोई', 'कुछ' सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का ज्ञान नहीं हो रहा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों का संबंध दूसरे सर्वनाम शब्दों से प्रकट होता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण– 1. **जो** सोता है **वह** खोता है।

2. **जिसकी** लाठी **उसकी** भैंस।

उपर्युक्त वाक्यों में 'जो-वह', 'जिसकी–उसकी' सर्वनाम शब्द आपसी संबंध का बोध करा रहे हैं।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण– 1. तुम **कहाँ** रहते हो?

2. वहाँ **कौन** खड़ा है?

उपर्युक्त वाक्यों में 'कहाँ', 'कौन', सर्वनाम शब्द से प्रश्न पूछे जा रहे हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का ज्ञान कराने के लिए किया जाए, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण– 1. मैं **आप ही** खाना खा लूँगी।

2. तुम छोड़ दो, मैं **स्वयं** कर लूँगा।

उपर्युक्त वाक्यों में 'आप ही', 'स्वयं', शब्द निजवाचक सर्वनाम हैं।

प्रश्न 3. निश्चयवाचक तथा अनिश्चवाचक सर्वनाम में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– निश्चयवाचक तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में अन्तर–

निश्चयवाचक	अनिश्चयवाचक
1. इसमें कुछ सर्वनाम दूर या समीप की वस्तुओं या व्यक्तियों का बोध कराते हैं। जैसे– यह, वह आदि। (अ) यह आया है। (ब) मोहन का घर वह है। 2. निश्चयवाचक सर्वनाम को संकेतवाचक सर्वनाम भी कहा जाता है।	इसमें जो सर्वनाम किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं करवाते, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे– कोई, कुछ, आदि। (अ) बाहर कोई बैठा है। (ब) पानी में कुछ पड़ा है। अनिश्चयवाचक सर्वनाम 'कुछ' (एकवचन) तथा संख्या दोनों का बोध कराता है। जैसे– (संख्यावाची)

प्रश्न 4. पुरुषवाचक सर्वनाम कितने और कौन-कौन से होते हैं?

उत्तर– पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं।

1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
2. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

प्रश्न 5. प्रश्नवाचक और संबंधवाचक सर्वनाम की परिभाषा लिखिए।

उत्तर– प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों से किसी प्रश्न का बोध होता है, वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– 1. इस बक्से में **क्या** है?

2. वहाँ **कौन** सो रहा है?

संबंधवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम शब्द एक-दूसरे के साथ अपने संबंध का बोध कराते हैं और प्रधान वाक्य को आश्रित वाक्य से संबद्ध रखते हैं, वे संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– 1. बंधु **जैसा** करोगे, **वैसा** भरोगे।

2. **जो** सोवे, **सो** खोवे।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. क्या, कैसे, क्यों **प्रश्नवाचक** सर्वनाम हैं।
2. स्वयं का ज्ञान करवाने वाला **उत्तम पुरुष** सर्वनाम है।
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम **कोई, कुछ** शब्द होते हैं।
4. सर्वनाम शब्दों का प्रयोग **संज्ञा** के स्थान पर होता है।
5. सर्वनाम के कुल **छह** भेद होते हैं।

9. विशेषण

अभ्यास

प्रश्न 1. विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता का बोध होता है, उन्हें विशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. **चालाक** लोमड़ी ने शेर को चकमा दिया।

2. उसके बाल **काले** हैं।
3. **ऊँचे** पेड़ पर चढ़ना आसान नहीं होता है।
4. जरा **ठंडा** पानी देना।

उपर्युक्त वाक्यों में 'चालाक' 'काले' 'ऊँचे' तथा 'ठंडा' शब्द क्रमशः लोमड़ी, बाल, पेड़ तथा पानी की विशेषता बता रहे हैं, अतः चालाक, काले, ऊँचे तथा ठंडा शब्द विशेषण शब्द हैं।

प्रश्न 2. विशेषण के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– विशेषण के निम्नलिखित चार भेद होते हैं–

1. गुणवाचक विशेषण– जिन शब्दों से संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण-दोष प्रकट होते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण– 1. सरिता **सुंदर** है।

2. **सफेद** कबूतर उड़ गया।

इन वाक्यों में 'सुंदर', 'सफेद' आदि गुणवाचक विशेषण हैं।

2. संख्यावाचक विशेषण– जो शब्द विशेष्य की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. मेरे पास **चार** पुस्तकें हैं।

2. **कुछ** मित्रों को बुला लों।

इन वाक्यों में 'चार', 'कुछ' संख्यावाचक विशेषण हैं।

3. परिमाणवाचक विशेषण– जिस विशेषण से किसी वस्तु की मात्रा अथवा नाप-तोल का बोध होता है, वह परिमाणवाचक विशेषण कहलाता है।

उदाहरण– 1. **पाँच सौ ग्राम** चीनी दीजिए।

2. मुझे **थोड़ा** पानी दीजिए।

उपर्युक्त वाक्यों में 'पाँच सौ ग्राम', 'थोड़ा', चीनी और पानी की नाप-तोल बता रहे हैं, अतः ये परिमाणवाचक विशेषण हैं।

4. संकेतवाचक विशेषण– जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की ओर संकेत करते हैं, वे संकेतवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण– 1. **यह** मेरी फैक्ट्री है।

2. **वह** कार्यालय बंद है।

इन वाक्यों में 'यह', 'वह' शब्द फैक्ट्री और कार्यालय की ओर संकेत कर रहे हैं। अतः ये संकेतवाचक विशेषण हैं।

प्रश्न 3. विशेषण और विशेष्य में अंतर बताइए।

उत्तर– विशेषण और विशेष्य में अंतर–

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम के गुण-दोष और अच्छाई-बुराई को प्रकट करते हैं, वे विशेषण होते हैं। विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहा जाता है।

उदाहरण– 1. शीला **अच्छी गायिका** है।

2. विपिन **मेधावी छात्र** है।

इन वाक्यों में 'अच्छी' और 'मेधावी' विशेषण, 'गायिका' और 'छात्र' विशेष्य हैं।

प्रश्न 4. परिमाणवाचक और संख्यावाचक विशेषणों में क्या अंतर है।

उत्तर– परिमाणवाचक और संख्यावाचक विशेषण में अन्तर–

परिमाणवाचक विशेषण	संख्यावाचक विशेषण
1. इसमें किसी वस्तु की मात्रा अथवा नाप-तोल का बोध होता हैं। जैसे– पंकज ने **तीन मीटर** फीता खरीदा।	इसमें जो शब्द सर्वनाम की संख्या बताते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे– **चार** हिरन दौड़ रहे हैं।
2. परिमाणवाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं। (अ) निश्चित परिमाणवाचक (ब) अनिश्चित परिमाणवाचक	संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं। (अ) निश्चित संख्यावाचक (ब) अनिश्चित संख्यावाचक

प्रश्न 5. विशेषण की कौन–सी अवस्थाएँ होती हैं? प्रत्येक का नाम लिखिए।

उत्तर– विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं।

1. मूलावस्था
2. उत्तरावस्था
3. उत्तमावस्था

1. मूलावस्था– जिससे किसी प्रकार की तुलना नहीं होती है, केवल विशेषण का सामान्य कथन होता है।

जैसे– 1. मोहन **अच्छा** लड़का है।

2. सरिता **सुंदर** है।

2. उत्तरावस्था– जिसमें दो व्यक्तियों की, प्राणियों, वस्तुओं या पदार्थों की तुलना करके एक को दूसरे से अधिक या कम बताया जाता है।

जैस– 1. **मोहन सोहन** से अच्छा लड़का है।

2. सरिता **कमला** से **सुंदर** लड़की है।

3. उत्तमावस्था– इसमें दो या दो से अधिक प्राणियों, वस्तुओं या पदार्थों की तुलना करके किसी एक को सबसे बढ़कर या कम बताया जाता है।

जैसे– 1. मोहन **सबसे अच्छा** लड़का है।

2. सरिता **सबसे सुंदर** लड़की है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचिए और उनके भेद लिखिए–

1. सेठ जी <u>धनी</u> व्यक्ति हैं। **गुणवाचक**
2. रास्ता <u>कठिन</u> है। **गुणवाचक**
3. <u>उसकी</u> आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। **संकेतवाचक**
4. मेरी गाय <u>तीन</u> लीटर दूध देती है। **परिमाणवाचक**
5. उसने <u>सुंदर</u> वस्त्र पहने हुए हैं। **गुणवाचक**

(ग) रिक्त स्थानों में विशेषण की उचित अवस्थाएँ भरिए–

1. नवल तुमसे **सुंदर** है।
2. हर्ष अपनी कक्षा में **सबसे बुद्धिमान** लड़का है।
3. तुम्हारे घर में **सबसे बड़ा** कौन है?
4. वह एक **सुंदर** लड़की है।
5. मैं उससे **अधिक बलवान** हूँ।

10. क्रिया

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. क्रिया के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– क्रिया के दो भेद होते हैं–

1. सकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं को करने के लिए कर्म की आवश्यकता होती है, वे सकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

जैसे– 1. सुदीप **पुस्तक** पढ़ रहा है।
2. विभा ने **पत्र** लिखा।

उपर्युक्त वाक्यों में 'पुस्तक', 'पत्र' कर्म हैं। अत: 'पढ़ रहा है', 'लिखा' सकर्मक क्रियाएँ हैं।

2. अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं को करने के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती है, वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

जैसे– 1. अमन **खेलता है।**
2. चूहा **कूदा।**

उपर्युक्त वाक्यों में 'खेलता है' और 'कूदा' अकर्मक क्रियाएँ हैं।

प्रश्न 2. सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं में अंतर बताइए।

उत्तर– सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं में अन्तर–

सकर्मक	अकर्मक
1. सकर्मक का अर्थ है स + कर्मक अर्थात् कर्म के साथ।	अकर्मक का अर्थ है। अ + कर्मक अर्थात् कर्म रहित/कर्म के बिना।
2. जिन क्रियाओं के साथ कर्म लगा हो और क्रिया का फल कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़े, उन्हे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे– अध्यापिका **पुस्तक** पढ़ा रही है।	जिन क्रियाओं के साथ कर्म न लगा हो तथा क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़े, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे– पक्षी **उड़ रहे हैं।**
3. क्रिया के साथ क्या, किस, किसको लगाकर प्रश्न करने पर यदि उत्तर मिले तो, वह सकर्मक क्रिया होती है।	यहाँ क्रिया के साथ क्या किस, किसको, कहाँ आदि प्रश्नों के कोई उत्तर नहीं मिलते, वहाँ अकर्मक क्रिया होती है।
4. जब क्रिया के साथ कर्म की अपेक्षा रहती है जैसे– खाना, पीना, उनके साथ यदि कर्म का प्रयोग न भी किया गया हो तो भी वे सकर्मक मानी जाती हैं।	जब क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता तो वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती है।

प्रश्न 3. संयुक्त क्रिया तथा सहायक क्रिया की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

उत्तर– संयुक्त क्रिया– जो क्रिया दो या दो से अधिक क्रियाओं के मेल से बनती है, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।

उदाहरण– 1. खिलाड़ी को **खेलते रहना पड़ा**।

2. वह दिल्ली में **रहने लगा है**।

उपर्युक्त वाक्यों में 'खेलते रहना पड़ा', 'रहने लगा है' संयुक्त क्रियाएँ हैं।

इस प्रकार "जिन वाक्यों की एक से अधिक क्रियाएँ मिलकर एक ही कार्य पूर्ण करती हैं, उन्हें संयुक्त क्रिया कहते हैं।"

सहायक क्रिया– वाक्य में जो क्रिया मुख्य क्रिया की सहायता करती है, सहायक क्रिया कहलाती है।

उदाहरण– 1. मैं इस घर में **रहता हूँ।**

2. श्रेया **गा रही है**।

उपर्युक्त वाक्यों में 'रहता हूँ', 'गा रही है' सहायक क्रियाएँ हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं के सकर्मक तथा अकर्मक भेद लिखिए–

	सकर्मक	**अकर्मक**
1. चोर भाग गए।		अकर्मक
2. मैं कल एक कार खरीदूँगा।	सकर्मक	
3. आज वर्षा होगी।		अकर्मक
4. शायद राखी अभी आ जाएगी।		अकर्मक
5. वह दूध लाएगा।	सकर्मक	

11. काल

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. काल किसे कहते हैं? काल के कितने भेद होते हैं?

उत्तर– क्रिया के जिस रूप से उसके पूर्ण होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।

काल के तीन भेद होते हैं–

1. भूतकाल
2. वर्तमान काल
3. भविष्यत् काल

प्रश्न 2. भूतकाल के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक का नाम लिखिए।

उत्तर– भूतकाल के छह भेद होते हैं–

1. सामान्य भूतकाल
2. आसन्न भूतकाल
3. अपूर्ण भूतकाल
4. पूर्ण भूतकाल
5. संदिग्ध भूतकाल
6. हेतुहेतुमद् भूतकाल

प्रश्न 3. वर्तमान काल के तीन भेद बताइए तथा प्रत्येक के दो–दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– वर्तमान काल के तीन भेद निम्नलिखित हैं–

1. सामान्य वर्तमान काल– क्रिया के जिस रूप से कार्य का वर्तमान समय में पूर्ण होना समझा जाए, वह सामान्य वर्तमान काल कहलाता है।

उदाहरण– 1. लक्ष्य पत्र लिखता है।
2. रानी जाती है।

वाक्यों में 'पत्र लिखता है', 'जाती है' प्रस्तुत समय में हैं अत: यहाँ सामान्य वर्तमान काल है।

2. अपूर्ण वर्तमान काल– क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि कार्य वर्तमान काल में चल रहा है, अभी पूर्ण नहीं हुआ है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण– 1. वह निबंध लिख रहा है।
2. नीलिमा सो रही है।

वाक्यों में लिखने का और सोने का कार्य अभी हो रहा है पूरा नहीं हुआ । अत: यह अपूर्ण वर्तमान है।

3. संदिग्ध वर्तमान– क्रिया के जिस रूप से वर्तमान काल में कार्य के होने में संदेह का बोध हो उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।

उदाहरण– 1. पिताजी अखबार पढ़ते होंगे।
2. बालक खेलता होगा।

वाक्यों में अखबार पढ़ने के कार्य को और खेलता होगा, को निश्चित रूप से नहीं कहा गया है, उसमें संदेह की स्थिति बनी हुई है, अत: यहाँ संदिग्ध वर्तमान काल है।

प्रश्न 4. भविष्यत् काल के दो भेद कौन-कौन से हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– भविष्यत् काल के दो भेद निम्नलिखित हैं–

सामान्य भविष्यत् काल– क्रिया के जिस रूप से साधारणत: ज्ञात हो कि कार्य अभी होगा, उसे सामान्य भविष्यत् कहते हैं।

उदाहरण– 1. मैं पुस्तक पढ़ूँगा।
2. लतिका गाना गाएगी।

वाक्यों में 'पुस्तक पढ़ूँगा' और 'गाना गाएगी' कार्य भविष्य में होने का बोध कराते हैं अत: यहाँ सामान्य भविष्यत् काल है।

2. संभाव्य भविष्यत् काल– क्रिया के जिस रूप से ज्ञात हो कि भविष्य में होने वाला कार्य पूर्ण रूप से निश्चित नहीं है अपितु होने की संभावना है, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं।

उदाहरण– 1. संभवत: अशोक राम को वहाँ मिलेगा।

2. संभवत: आज परिणाम घोषित होगा।

इन वाक्यों में भविष्य में 'अशोक' के राम को मिलने की संभावना, 'परिणाम घोषित' होने की संभावना से संभाव्य भविष्यत् काल हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाओं के काल उनके सामने लिखिए–

1. बच्चे कक्षा में पढ़ रहे हैं।	**वर्तमान काल**
2. वह अपने गाँव चली गई ।	**भूतकाल**
3. जब विपुल आएगा, तब नेहा नाचेगी।	**भविष्यत् काल**
4. सुधा कुछ लिख रही थी।	**भूतकाल**
5. रचना खाना खा रही होगी।	**भविष्यत् काल**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशित काल में बदलिए–

1. हम खाना खाएँगे।	(वर्तमान काल)	**हम खाना खा रहे हैं।**
2. नैना मधुर गीत गाती है।	(भविष्यत् काल)	**नैना मधुर गीत गाएगी।**
3. वे फुटबाल नहीं खेलते ।	(भविष्यत् काल)	**वे फुटबाल नहीं खेलेंगे।**
4. अजय लखनऊ जाएगा।	(वर्तमान काल)	**अजय लखनऊ जा रहा है।**
5. महिमा कथकली नृत्य करती है।	(भूतकाल)	**महिमा कथकली नृत्य करती थी।**

12. क्रियाविशेषण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? यह कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– जिस प्रकार संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं, उसी प्रकार क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

परिभाषा– "क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।"

क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं।

1. कालवाचक क्रियाविशेषण– जिस अव्यय शब्द से क्रिया के होने या करने का समय सूचित हो, उसे कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. मेरा भाई **कल** आएगा।

2. वह **निरंतर** दौड़ता रहा।

इन वाक्यों में 'कल' और 'निरंतर' कालवाचक क्रियाविशेषण हैं क्योंकि वे क्रमशः 'आएगा' तथा 'दौड़ता रहा' क्रियाओं की विशेषता बताते हैं।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण– जिस अव्यय शब्द से क्रिया के स्थान को बोध हो, उसे स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. वह **यहाँ** रहता है।

2. शंकर **उधर** चला गया।

इन वाक्यों में 'यहाँ' और 'उधर' स्थानवाचक क्रियाविशेषण हैं जो क्रमशः 'रहता है' तथा 'चला गया' क्रियाओं के स्थान का बोध कराते हैं।

3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण– जिस अव्यय शब्द से क्रियाविशेषण की रीति (ढंग) का बोध हो, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. तुम बहुत **धीरे** चलते हो।

2. वह **सचमुच** दौड़ा।

इन वाक्यों में 'धीरे' तथा 'सचमुच' रीतिवाचक क्रियाविशेषण हैं, क्योकि ये क्रमशः 'चलते हो' तथा 'दौड़ा' क्रियाओं की विशेषता बताते हैं।

4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण– जिस अव्यय शब्द से क्रिया के परिमाण (मात्रा) का बोध हो उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. वह आज **बहुत** बोला।

2. प्रशांत **प्रायः** चुप रहता है।

इन वाक्यों में 'बहुत' और 'प्रायः' परिमाणवाचक क्रियाविशेषण हैं। क्योकि वे क्रमशः 'बोला' तथा 'चुप रहता है' क्रियाओं की परिमाण संबंधी विशेषता बताते हैं।

प्रश्न 2. स्थानवाचक तथा रीतिवाचक क्रियाविशेषण में क्या अंतर है?

उत्तर– स्थानवाचक तथा रीतिवाचक क्रियाविशेषण में अंतर–

स्थानवाचक	रीतिवाचक
1. इस क्रियाविशेषण के द्वारा किसी कार्य के होने के स्थान का बोध होता है।	इस क्रियाविशेषण के द्वारा किसी कार्य के होने के ढंग का बोध होता है।
2. इस क्रियाविशेषण में प्रायः यहाँ, वहाँ, कितनी दूर, तक, नीचे, भीतर, ऊपर, इधर, उधर आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं।	इस क्रियाविशेषण में प्रायः एकाएक, झटपट, सचमुच, अकस्मात, वास्तव में आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं।
जैसे– तुम **कितनी दूर तक** जाओगे।	जैसे– अतुल **अचानक** गिर पड़ा।

प्रश्न 3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– परिमाणवाचक क्रियाविशेषण– जिस क्रियाविशेषण के द्‌वारा कार्य के परिमाण का बोध होता है, उसे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

उदाहरण– 1. **थोड़ा** मुस्कराओ।

2. **कम** खाओ।

इन वाक्यों में 'थोड़ा', 'कम' शब्द क्रियाओं के परिमाण को बता रहे हैं। अत: ये परिमाणवाचक क्रियाविशेषण हैं। परिमाणवाचक क्रियाविशेषण में प्राय: बारी–बारी से, यथाक्रम, इतना, उतना, खूब, अति, थोड़ा, किंचित्, पर्याप्त आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं।

13. संबंधबोधक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. संबंधबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– जो अव्यय शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से बताए, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. चाकू **के द्‌वारा** तरबूज काटो।

2. कक्षा **के भीतर** छात्र पढ़ते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में के द्‌वारा (साधन), के भीतर (स्थान), आदि शब्द संज्ञा शब्दों के बीच संबंध बता रहे हैं। ऐसे शब्द संबंधबोधक कहलाते हैं।

इनमें लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता। अत: ये अव्यय होते हैं।

प्रश्न 2. संबंधबोधक कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक का नाम बताइए।

उत्तर– संबंधबोधक निम्नलिखित प्रकार के होते हैं–

1. कालवाचक – पूर्व, पहले, उपरान्त, बाद, पश्चात आदि।
2. स्थानवाचक – पीछे, आगे, नीचे, ऊपर, पास, भीतर आदि।
3. दिशावाचक – ओर, तरफ, पार आदि।
4. उद्देश्यवाचक – लिए, खातिर, अर्थ आदि।
5. विरोधवाचक – विपरीत, विरूद्ध, प्रतिकूल, उलटे आदि।
6. कारणवाचक – कारण, के मारे आदि।
7. साधनवाचक – द्‌वारा, हाथ सहारे, मार्फत आदि।

8. साहचर्यवाचक – साथ, संग, सहित आदि।

9. सादृश्यवाचक – समान, तुल्य, योग्य, तरह, भाँति आदि।

10. दूरीवाचक – से दूर, से, से हटकर आदि।

प्रश्न 3. स्थानवाचक तथा दिशावाचक संबंधबोधक में अंतर बताइए।

उत्तर– स्थानवाचक तथा दिशावाचक संबंधबोधक में अंतर–

जो संबंधबोधक स्थान को सूचित करता है, उसे स्थानवाचक संबंधबोधक कहते हैं।

जो संबंधबोधक दिशा को सूचित करता है, उसे दिशावाचक संबंधबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. घर **में** कोई नहीं है।

2. मेरा घर विद्यालय **के पास** है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'में', 'के पास' शब्द स्थान को सूचित कर रहे हैं अत: ये स्थानवाचक संबंधबोधक है।

उदाहरण– 1. आकाश वृक्ष **की तरफ** खड़ा है।

2. इसे **ऊपर को** सरकाओ।

उपर्युक्त वाक्यों में 'की तरफ', 'ऊपर को' शब्द दिशा को सूचित कर रहे हैं। अत: ये दिशावाचक संबंधबोधक हैं।

प्रश्न 4. साहचर्यवाचक तथा सादृश्यवाचक संबंधबोधक में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– साहचर्यवाचक तथा सादृश्यवाचक संबंधबोधक में अंतर–

जो संबंधबोधक साथ को सूचित करता है, उसे साहचर्यवाचक संबंधबोधक कहते हैं।

जो संबंधबोधक सादृश्य (समानता) को सूचित करता है, उसे सादृश्यवाचक संबंधबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. हम अनुजा **के साथ** हैं।

2. वह सामान **के सहित** आई है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'के साथ', 'के सहित' शब्द साहचर्य (साथ) को सूचित कर रहे हैं, अत: ये साहचर्यवाचक संबंधबोधक हैं।

उदाहरण– 1. शिखा **के जैसा** कोई नहीं है।

2. वह अनु **की तरह** ईमानदार है।

इसमें 'के जैसा', 'की तरह' शब्द समानता को सूचित कर रहे हैं, अत: ये सादृश्यवाचक संबंधबोधक हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधकों के नीचे रेखा खींचिए–

1. घर <u>के आगे</u> कूड़ा मत फेंको।
2. फल <u>को चाकू</u> से काटों।
3. वह तूफान <u>की तरह</u> आया था।
4. वर्षा <u>के कारण</u> मैं विद्यालय न जा सका।
5. आकाश <u>में तारे</u> खिले हैं।
6. कमरे <u>से</u> श्याम <u>को</u> बुला लाओ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति संबंधबोधक से कीजिए–

1. बच्चा डर **के कारण** बोल न सका।
2. समय **के विरूद्ध** मत चलो।
3. खाना खाने **के बाद** वह सोएगा।
4. धन **के बिना** कुछ भी संभव नहीं।
5. शिखा प्रेरणा **से** अच्छा नाचती है।

14. समुच्चयबोधक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. समुच्चयबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– वे शब्द जो किन्ही दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों को एक-दूसरे से मिलाते हैं, समुच्चयबोधक अथवा योजक कहलाते हैं।

उदाहरण– 1. मृदुला **और** सरला पढ़ रही हैं।

2. आम **या** खरबूजा खरीद लो।

इन वाक्यों में 'और', 'या' शब्द वाक्यों को जोड़ते हैं इसलिए ये समुच्चयबोधक हैं।

प्रश्न 2. समुच्चयबोधक कितने प्रकार के होते है? प्रत्येक का नाम लिखिए।

उत्तर– समुच्चयबोधक निम्नलिखित प्रकार के होते हैं–

1. संयोजक
2. वियोजक
3. कारणसूचक
4. परिणामसूचक
5. उद्देश्यसूचक
6. संकेतसूचक
7. विरोधसूचक
8. स्वरूपवाचक

प्रश्न 3. संयोजक व वियोजक समुच्चयबोधक में क्या अंतर है?

उत्तर– संयोजक व वियोजक समुच्चयबोधक में अंतर–

जो समुच्चयबोधक दो शब्दों अथवा वाक्यों को एक–दूसरे के साथ जोड़ते हैं, उन्हें संयोजक समुच्चयबोधक कहते हैं।

जो समुच्चयबोधक अपने द्वारा जोड़े जाने वाले दोनों अथवा किसी एक शब्द या वाक्य का त्याग करते हैं, उन्हें वियोजक समुच्चयबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. नैना **और** किरन पढ़ रहे हैं।

2. रेखा **तथा** शैला ने खाना बनाया।

इन वाक्यों में 'और', 'तथा' शब्द दो व्यक्ति या भावों को साथ में जोड़ रहे हैं, अतः ये संयोजक समुच्चयबोधक हैं।

उदाहरण– 1 वह आदमी अच्छा था **या** बुरा, बिना बताए चला गया।

2. **न** वह आया, **न** उसका भाई।

उपर्युक्त वाक्यों में 'या', 'न ---न' शब्द दो शब्दों को पृथक् कर रहे हैं, अतः ये वियोजक समुच्चयबोधक हैं।

प्रश्न 4. कारणसूचक व उद्देश्यसूचक समुच्चयबोधक में अंतर समझाइए।

उत्तर– कारणसूचक व उद्देश्यसूचक समुच्चयबोधक में अंतर–

जो समुच्चयबोधक कारण को सूचित करते हैं, उन्हें कारणसूचक समुच्चययबोधक कहते हैं।

जो समुच्चयबोधक उद्देश्य को सूचित करते हैं, उन्हें उद्देश्यसूचक समुच्चयबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. आप झूठ कह रहे हो **क्योंकि** अर्पित झूठ नहीं बोलता।

2. आप कक्षा में नहीं थे **इसलिए** मैं आपकी पुस्तक नहीं लौटा सका।

इन वाक्यों में 'क्योंकि', 'इसलिए' शब्द कारणसूचक समुच्चयबोधक हैं।

उदाहरण– 1. अच्छे बनों **जिससे** माता–पिता तुम पर गर्व करें।

2. इतना परिश्रम करो **कि** प्रथम श्रेणी में पास हो सकों।

इन वाक्यों में आए 'जिससे', 'कि' शब्द उद्देश्यसूचक समुच्चयबोधक हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में समुच्चयबोधकों के नीचे रेखा खींचिए–

1. नीरज <u>और</u> धैर्य मित्र हैं।
2. शिखा बुद्धिमान है <u>परंतु</u> परिश्रमी नहीं।
3. तुम खाओगे <u>या</u> मैं खा लूँ।
4. माता <u>और</u> पिता की सेवा करो।
5. <u>न</u> आप आए, <u>न</u> कोई संदेश भेजा।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों में समुच्चयबोधक भरिए–

1. अपने काम से काम रखिए **नहीं तो** बहुत पछताओगे।
2. तुम यहीं रुकोगे **या** घर जाओगे।
3. मैंने उसे समझाया था **परंतु** वह नहीं माना।
4. वह नहीं आया **क्योंकि** वह आज बीमार है।
5. परिश्रम करो **अथवा** फेल हो जाओगे।

15. विस्मयादिबोधक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. विस्मयादिबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– वे शब्द जिनके द्वारा हर्ष, विस्मय, शोक, घृणा, लज्जा आदि मन के भाव प्रकट होते हैं; विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।

उदाहरण– 1. **हाय**! यह क्या हो गया?

2. **उफ**! कितनी गर्मी है।

3. **अरे**! तुम यहाँ कब से खड़े हो।

उपर्युक्त वाक्यों में हाय, उफ, अरे शब्द मन के भावों को प्रकट कर रहे हैं। अत: ये विस्मयादिबोधक हैं।

प्रश्न 2. विस्मयादिबोधक के कितने भेद होते हैं? प्रत्येक का नाम लिखिए।

उत्तर– विस्मयादिबोधक के निम्नलिखित भेद होते हैं–

1. विस्मयसूचक
2. हर्षसूचक
3. विदासूचक
4. संबोधनसूचक
5. शोकसूचक
6. तिरस्कारसूचक
7. भयसूचक
8. विवशतासूचक

प्रश्न 3. विस्मयसूचक तथा शोकसूचक विस्मयादिबोधकों में अंतर बताइए।

उत्तर– विस्मयसूचक तथा शोकसूचक विस्मयादिबोधकों में अंतर–

जो विस्मयादिबोधक विस्मय (आश्चर्य), का भाव प्रकट करे, उन्हें 'विस्मयसूचक' कहते हैं।

जो विस्मयादिबोधक शोक (दु:ख) का भाव प्रकट करते हैं, उन्हें शोकसूचक विस्मयादिबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. **अरे**! तुम कौन हो?

2. **क्या**! वह चला गया।

इन वाक्यों में 'अरे', 'क्या' शब्द विस्मयसूचक हैं।

उदाहरण– 1. **हाय**! मेरी नानी चल बसी।

2. **ओह**! यह कैसे हुआ।

इन वाक्यो में 'हाय', 'ओह' शब्द शोकसूचक है।

प्रश्न 4. भयसूचक तथा विवशतासूचक विस्मयादिबोधकों में अंतर को समझाइए।

उत्तर– भयसूचक तथा विवशतासूचक विस्मयादिबोधकों में अंतर–

जो विस्मयादिबोधक भय (डर) का भाव प्रकट करते हैं, उन्हें भयसूचक विस्मयादिबोधक कहते हैं। जो विस्मयादिबोधक विवशता (मजबूरी) का भाव प्रकट करते हैं, उन्हें विवशतासूचक विस्मयादिबोधक कहते हैं।

उदाहरण– 1. **बाप रे**! यहाँ बिच्छू कैसे आया?

2. **बचाओ**! यह दुष्ट मुझे मार डालेगा।

इन वाक्यों में 'बाप रे' 'बचाओ' शब्द भयसूचक हैं।

उदारहण– 1. **हे**! **भगवान** अब क्या होगा?

2. **काश**! तुम मेरे साथ होती।

इन वाक्य में 'हे भगवान', 'काश' शब्द विवशतासूचक है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विस्मयादिबोधक भरिए–

1. **हाय!** बेचारा छत से गिर पड़ा।
2. **छि!** इतनी बदबू।
3. **ठीक!** ऐसा ही करना।
4. **हाँ!** मुझे उस बात का पता है।
5. **अरे!** ऐसी बात नहीं करते।
6. **वाह!** मजा आ गया।

16. संधि

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. संधि किसे कहते हैं? संधि कितने प्रकार की होती है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर– दो वर्णों के परस्पर मेल से उनके आकार और ध्वनि में जो परिवर्तन (विकार) होता है उसे संधि कहते हैं।

संधि तीन प्रकार की होती हैं–

1. स्वर संधि– जब दो स्वर परस्पर मिलते हैं और मिलकर एक नया रूप धारण करते हैं, तो उसे स्वर संधि कहते हैं।

उदाहरण– विद्‌या + अर्थी = विद्‌यार्थी = आ + अ = आ

परम + आत्मा = परमात्मा = अ + आ = आ

रवि + इन्द्र = रवीन्द्र = इ + इ = ई

यदि + अपि = यद्‌यपि = इ + अ = य

उपर्युक्त उदाहरणों में पहले शब्द के अंतिम वर्ण तथा दूसरे शब्द के पहले वर्ण के मेल से परिवर्तन आ गया है। यहीं परिवर्तन संधि है।

2. व्यंजन संधि– व्यंजन का व्यंजन अथवा स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है, वह व्यंजन संधि कहलाता है।

उदाहरण– सम् + कल्प = संकल्प
उत + नति = उन्नति
जगत् + ईश = जगदीश
वि + छेद = विच्छेद

3. विसर्ग संधि– विसर्ग का किसी स्वर या व्यंजन से मेल होने पर जो विकार (परिवर्तन) होता है। वह विसर्ग संधि कहलाता है।

उदाहरण– यशः + गान = यशोगान
मनः + हर = मनोहर
निः + भय = निर्भय
निः + चल = निश्चल

प्रश्न 2. स्वर संधि से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर– स्वर संधि– स्वर संधि यानी स्वरों का मेल दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को 'स्वर संधि' कहते हैं।

उदाहरण– महा + आत्मा = महात्मा
सु + उक्ति = सूक्ति

पहले उदाहरण में 'महा' के 'आ' तथा 'आत्मा' के 'आ' का मेल हुआ, जिससे महात्मा बना तथा दूसरे उदाहरण में 'सु' के 'उ' तथा 'उक्ति' के 'उ' का मेल हुआ जिससे सूक्ति बना।

प्रश्न 3. विसर्ग संधि की क्या पहचान है? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– विसर्ग संधि– जब परस्पर मिलने वाले दोनों शब्दों में से पहले शब्द के अंत में विसर्ग (:) और दूसरे शब्द के आरंभ में स्वर या व्यंजन कोई भी हो, तो उन दोनों के बीच में होने वाले मेल को 'विसर्ग संधि' कहते हैं।

उदाहरण– निः + संदेह = निस्संदेह
मनः + योग = मनोयोग

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए–

उत् + घाटन	=	**उद्घाटन**		पर + उपकार	=	**परोपकार**
मनः + हर	=	**मनोहर**		सत् + मार्ग	=	**सत्मार्ग**
विद्या + आलय	=	**विद्यालय**		पो + अन	=	**पवन**
निः + कंटक	=	**निष्कंटक**		तपः + बल	=	**तपोबल**

(ग) संधि विच्छेद कीजिए–

सज्जन	=	**सत्**	+	**जन**	सच्चरित्र	=	**सत्**	+	**चरित्र**
मनोयोग	=	**मनः**	+	**योग**	यद्यपि	=	**यदि**	+	**अपि**
विद्यार्थी	=	**विद्या**	+	**अर्थी**	स्वागत	=	**सु**	+	**आगत**
दुर्गुण	=	**दुः**	+	**गुण**	नयन	=	**ने**	+	**अन**

17. समास

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. समास किसे कहते हैं? समास के कितने भेद होते हैं?

उत्तर– दो या दो से अधिक शब्दों के सम्मिलन से एक सार्थक व संक्षिप्त शब्द रचना को समास कहते हैं।

समास के निम्नलिखित छह भेद होते हैं–

1. तत्पुरुष समास
2. अव्ययीभाव समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. बहुब्रीहि समास
6. द्वंद्व समास

प्रश्न 2. तत्पुरुष समास का लक्षण उदाहरण सहित बताइए।

उत्तर– इस समास में पहला पद विशेषण का कार्य करता है, इसलिए दूसरा पद प्रधान होता है। इस समास के दोनों पदों में कर्म से लेकर अधिकरण कारक तक की विभक्तियों का लोप रहता है।

उदाहरण–

समस्त पद	**विग्रह**
रोगमुक्त	रोग से मुक्त
गृह प्रवेश	गृह में प्रवेश
परलोक गमन	परलोक को गमन
गंगाजल	गंगा का जल

प्रश्न 3. द्विगु समास तथा बहुब्रीहि समास का अंतर बताइए तथा उदाहरण भी दीजिए।

उत्तर– द्विगु समास तथा बहुब्रीहि समास में अंतर–

समास के कुछ उदाहरण ऐसे हैं जो बहुब्रीहि तथा द्विगु दोनों में पाए जाते हैं। द्विगु में पहला पद

संख्यावाची विशेषण होता है। और दूसरा पद उसका विशेष्य, परंतु बहुब्रीहि में सारा समस्त पद ही विशेषण का काम करता है और तीसरे पद की और संकेत भी करता है।

उदाहरण–

दशानन = दस आननों का समूह (द्विगु समास)

= दस आनन है जिसके (रावण) (बहुब्रीहि समास)

चतुर्भुज = चार भुजाओं का समूह (द्विगु समास)

= चार भुजाएँ हैं जिसकी (विष्णु) (बहुब्रीहि समास)

(ख) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी बताइए–

समस्त पद	**विग्रह**	**समास का नाम**
प्रतिदिन	प्रत्येक दिन	अव्ययीभाव समास
गाय–बैल	गाय और बैल	द्वंद्व समास
नीलकमल	नीला है जो कमल	कर्मधारय समास
दशानन	दस हैं आनन जिसके, अर्थात् रावण	बहुब्रीहि समास
चौराहा	चार राहों का समाहार	द्विगु समास
दोपहर	दो पहरों का समूह	द्विगु समास

(ग) निम्नलिखित विग्रह के समस्त पद बनाकर उसका भेद लिखिए–

विग्रह	**समस्त पद**	**भेद**
तीन रंगो वाला	तिरंगा	द्विगु समास
दाल और भात	दाल–भात	द्वंद्व समास
पुष्प के समान लता	पुष्पलता	कर्मधारय समास
चार राहों का समाहार	चौराहा	द्विगु समास
घन के समान श्याम	घनश्याम	कर्मधारय समास

18. उपसर्ग और प्रत्यय

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. उपसर्ग किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– वे शब्दांश जो किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

उपसर्ग मूल शब्द के अर्थ को बदल देते हैं तथा इनके प्रयोग से शब्द के अर्थ में विशेषता आ जाती है।

उदाहरण–

नि	+	डर	=	निडर
आ	+	गमन	=	आगमन
अ	+	टल	=	अटल
बहु	+	मूल्य	=	बहुमूल्य

उपर्युक्त शब्दों में नि, आ, अ, बहु उपसर्ग लगने से शब्द बदल गए हैं और उनके अर्थ भी बदल गए हैं।

प्रश्न 2. प्रत्यय का क्या अर्थ है? उदाहरण सहित बताइए।

उत्तर– वे शब्दांश जो किसी शब्द के बाद में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

उदाहरण–

शिकार	+	ई	=	शिकारी
बच	+	पन	=	बचपन
वर्ष	+	इक	=	वार्षिक
स्वतंत्र	+	ता	=	स्वतंत्रता

उपर्युक्त शब्दों में ई, पन, इक, ता, प्रत्यय लगने से शब्द बना है।

(ख) निम्नलिखित उपसर्गों से तीन–तीन शब्द बनाइए–

अभि	–	**अभिमान, अभिप्राय, अभिनव।**
चिर	–	**चिरकाल, चिरंजीव, चिरसखा।**
अप	–	**अपमान, अपनापन, अपवाद।**
सु	–	**सुंदर, सुवर्ण, सुशील।**
वि	–	**विशाल, विदेश, विवश।**
अनु	–	**अनुभव, अनुकरण, अनुपम।**
बद	–	**बदनाम, बदमिजाज, बदहजमी।**
परि	–	**परिवार, परिश्रम, परिणाम।**

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए–

शब्द	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
लड़कपन	लड़क	पन
लिखावट	लिखाई	आवट
आसानी	आसान	ई
दैनिक	दिन	इक
छलावा	छल	आवा
मिलाप	मिल	आप
खिलाड़ी	खेल	आड़ी
चमकीला	चमक	ईला
सुंदरता	सुंदर	ता

19. विराम चिह्न

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. विराम चिह्न से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– वाक्यों में रुकने, अर्थ परिवर्तन करने अथवा बात को पूर्ण करने का कार्य करने वाले चिह्न विराम चिह्न कहलाते हैं।

उदाहरण– रुको, मत जाओ।

रुको मत, जाओ।

पहले वाक्य में 'रुको' शब्द के बाद और दूसरे वाक्य में 'रुको मत' के बाद अल्प विराम चिह्न का प्रयोग होने के कारण दोनों के अर्थ बदल गए हैं।

अत: इस तरह के चिह्न अर्थ परिवर्तन करते हैं, पढ़ने अथवा बोलने वाले को विश्राम देते हैं और बात को पूर्ण भी करते हैं।

प्रश्न 2. अल्प विराम और अर्ध विराम चिह्नों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– अल्प विराम (,) और अर्ध विराम (;) चिह्नों में अन्तर–

एक ही प्रकार के शब्दों को विभक्त करने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। वह अल्प विराम कहलाता है। वाक्य में जहाँ थोड़े समय के लिए रुकना हो, वहाँ पर भी (,) यह चिह्न लगाया जाता है।

उदाहरण– 1. कशिश, साहिल, भव्य और पुलकित आपस में मित्र हैं।

2. वह पढ़ने, लिखने और खेलने में माहिर है।

इन वाक्यों में कशिश, साहिल, पढ़ने के बाद जो चिह्न लगे हैं वह अल्प विराम चिह्न हैं।

वाक्य में अल्प विराम से अधिक समय के लिए रुकने के लिए जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है, उसे अर्ध विराम (;) चिह्न कहते हैं।

उदाहरण– 1. राहुल दिनेश को पीटता रहा; दिनेश रोता–चिल्लाता रहा।

2. तुम मानो या ना मानो; दिनेश अच्छा लड़का नहीं है।

इन वाक्यों में पीटता रहा, मानो, के बाद लगे चिह्न अर्ध विराम चिह्न हैं।

प्रश्न 3. पूर्ण विराम चिह्न का प्रयोग कहाँ किया जाता है? दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर– साधारण, मिश्रित या संयुक्त सभी प्रकार के वाक्य जहाँ पूर्ण होते हैं, वहाँ पूर्ण विराम (।) चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण– 1. एकता में बल होता है।

2. श्री शरद जी बहुत अच्छे वक्ता हैं।

इन वाक्यों में होता है, वक्ता है, के बाद लगे चिह्न पूर्ण विराम हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

1. अच्छा तुम घूमने जा रहे हो	**अच्छा! तुम घूमने जा रहे हो।**
2. करो या मरो	**करो या मरो।**
3. सुनिए उधार न माँगिए	**सुनिए, उधार न माँगिए।**
4. रंजना मोना और प्राची घूमने जा रही हैं	**रंजना, मोना और प्राची घूमने जा रही हैं।**
5. माँ मुझे माफ कर दो	**माँ! मुझे माफ कर दो।**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को पूर्ण कीजिए–

1. विराम चिह्नों का प्रयोग भाषा में **बात को पूर्ण करने** के लिए किया जाता है।
2. प्रश्न पूछने के लिए **प्रश्नसूचक (?)** चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
3. विस्मयादिबोधक से **हर्ष, शोक, घृणा, भाव** को प्रकट करते हैं।
4. किसी बात को ज्यों का त्यों रखने के लिए **उद्धरण** चिह्न का प्रयोग करते हैं।
5. दो शब्दों को जोड़नें के लिए **विभाजक** का प्रयोग किया जाता है।

20. शब्द भंडार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

प्रश्न 1. पर्यायवाची शब्द किन्हें कहते हैं?

उत्तर– वे शब्द जो अर्थ की दृष्टि से एक समान होते हैं या जो शब्द किसी दूसरे के समान अर्थ बताते हैं, पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। इन्हें 'समानार्थी' शब्द भी कहते हैं।

प्रश्न 2. विलोम शब्द से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– वे शब्द जो अर्थ की दृष्टि से एक-दूसरे के विपरीत होते हैं, विलोम शब्द कहलाते हैं। विलोम शब्द को विपरीतार्थक शब्द भी कहते हैं।

प्रश्न 3. समरूपी भिन्नार्थक शब्द किन्हें कहते हैं?

उत्तर– कुछ शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, परंतु उनके अर्थ भिन्न–भिन्न होते हैं। ऐसे शब्दों को समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।

प्रश्न 4. भाषा को संक्षिप्त करने के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर– भाषा को संक्षिप्त करने के लिए वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण– 1. जो कभी बूढ़ा न हो – अजर

2. जो देखने योग्य हो – दर्शनीय

इन वाक्यों को संक्षिप्त करके लिखा गया है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

शब्द	विलोम
1. आशा	**निराशा**
2. अनुग्रह	**विग्रह**
3. अंत	**आदि**
4. आदान	**प्रदान**
5. उपकार	**अपकार**
6. अमृत	**विष**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के चार-चार पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. तालाब – **सर, सरोवर, जलाशय, तड़ाग।**
2. पृथ्वी – **भू, भूमि, धरा, वसुंधरा।**
3. बादल – **घन, मेघ, जलधर, पयोधर।**
4. मनुष्य – **मनुज, मानव, मर्त्य, नर।**
5. राजा – **प्रजापति, नरेश, भूपति, नृप।**
6. लक्ष्मी – **कमला, रमा, इंदिरा, समुद्रजा।**

(घ) निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए–

वाक्यांश		एक शब्द
1. जिसमें प्राण न हों	–	**निष्प्राण**
2. जो जल्दी–जल्दी चलता हो	–	**द्रुतगामी**
3. जो व्यर्थ खर्च करता हो	–	**अपव्ययी**
4. जो कम बोलता हो	–	**मितभाषी**
5. शरण में आया हुआ	–	**शरणागत**
6. जो जल में रहता हो	–	**जलचर**

(ड.) निम्नलिखित के समरूपी भिन्नार्थक शब्द लिखिए–

	शब्द		अर्थ
1.	अंस	–	**कंधा**
	अंश	–	**हिस्सा**
2.	कुल	–	**वंश, संपूर्ण**
	कूल	–	**किनारा**
3.	प्रमाण	–	**सबूत**
	प्रणाम	–	**नमस्कार**
4.	पवन	–	**हवा**
	पावन	–	**पवित्र**
5.	तरंग	–	**लहर**
	तुरंग	–	**घोड़ा**
6.	गृह	–	**घर**
	ग्रह	–	**नक्षत्र**

(च) निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए–

	शब्द		अनेक अर्थ
1.	मधु	–	**चैत्र मास, शहद, मदिरा, बसंत ऋतु।**
2.	गुरु	–	**शिक्षक, भारी, बड़ा, बृहस्पति।**
3.	धात्री	–	**आँवला, पृथ्वी, माता, उपमाता।**
4.	कर्ण	–	**कान, अंगराज, कुंती का पुत्र।**
5.	अंबर	–	**वस्त्र, आकाश।**
6.	काम	–	**तात्पर्य, कार्य, वासना, कामदेव, लालसा।**

21. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

अभ्यास

(क) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताइए–

1.	जिंदगी के दिन पूरे करना	–	**कष्ट में दिन बिताना।**
2.	दबे पाँव जाना	–	**चुपचाप जाना।**
3.	राई का पर्वत बनाना	–	**बात को बढ़ा-चढ़ाकर बताना।**
4.	नाक में दम होना	–	**बहुत परेशान होना।**

(ख) निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ बताइए–

1. काला अक्षर भैंस बराबर – **अनपढ़ व्यक्ति।**
2. खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे – **शर्मिंदा होकर क्रोध करना।**
3. चोर की दाढ़ी में तिनका – **दोषी व्यक्ति स्वयं भयभीत रहता है।**

22. संवाद लेखन

अभ्यास

निम्नलिखित से संबंधित संवाद लिखिए–

1. दो पड़ोसियों में मुहल्ले की सफाई के संबंध में बातचीत लिखिए।

उत्तर–

पहला पड़ोसी – (दूसरे पड़ोसी से) देखो हमारे मुहल्ले में कितनी गंदगी है।

दूसरा पड़ोसी – हाँ, तुम ठीक कह रहे हो। चारों ओर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं।

पहला पड़ोसी – वर्षा के दिनों में वर्षा का पानी नालियों में भर जाने से स्थिति और अधिक खराब हो जाती है।

दूसरा पड़ोसी – जिससे नालियों में पानी भरने से मक्खी, मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है और बीमारियाँ फैल जाती हैं।

पहला पड़ोसी – इसके लिए हमें सफाई कर्मचारियों और सफाई निरीक्षक से बात करनी चाहिए कि वह हमारे मुहल्ले की सफाई करवाये।

दूसरा पड़ोसी – हाँ, तुम ठीक कह रहे हो। हमें, स्वास्थ्य अधिकारी को इसके बारे में सूचना देनी चाहिए। जिससे कि वह हमारे मुहल्ले की सफाई करवाये।

दोनों पड़ोसी – चलो ठीक है, चलते हैं।

2. दूरदर्शन के कार्यक्रमों को लेकर पिता और पुत्र के बीच का संवाद लिखिए।

पिता – आजकल दूरदर्शन पर कार्यक्रमों की होड़ में अच्छे-बुरे का ध्यान नहीं रह गया है।

बेटा – हाँ, पिता जी! ऐसा ही है, आप ठीक कह रहे हैं। पर इनमें से कुछ अच्छे भी हैं।

पिता – हो सकता है, एकाध कार्यक्रम अच्छे भी हों, पर अधिकांश कार्यक्रम तो ऐसे हैं, जिनका न कोई उद्देश्य है और न ही कोई औचित्य।

बेटा – लेकिन पिता जी! दूरदर्शन पर तो ऐसे अनेक कार्यक्रम आते हैं जो हमारे ज्ञान-विज्ञान को बढ़ाते हैं एवं स्वस्थ मनोरंजन भी करते हैं।

पिता – क्या तुम कहना चाहते हो कि अधिकांश कार्यक्रम ऐसे हैं जिनमें नैतिक मूल्यों का समावेश है? मैं तो जब भी देखता हूँ या तो फिल्मी गीत दिखाई देते हैं या विज्ञापन या पूरी फिल्म ।

बेटा – आप ठीक कहते हैं पिता जी! फिल्मी कार्यक्रमों की तो बाढ़ सी आ गई है।

पिता – इन फिल्मी कार्यक्रमों के कारण लाखों-करोड़ो विद्यार्थियों का जीवन अंधकारमय हो रहा है। जिसके कारण विद्यार्थियों का पढ़ाई से ध्यान हट जाता है। उसकी ओर न तो फिल्म निर्माताओं का ध्यान आता है और न ही उसे दूरदर्शन पर प्रसारित करने वाले अधिकारियों का।

3. फलवाले से फल खरीदने के संबंध में बातचीत को परस्पर संवाद के रूप में लिखिए।

ग्राहक – (फलवाले) से भैया ये केले कैसे दिए।

फलवाला – 30 रु0 दर्जन।

ग्राहक – अरे! भैया इतने मँहगे, कुछ कम करो, इतना रेट तो कहीं नहीं है।

फलवाला – अजी चीज तो देखो ऐसा फल कहीं नहीं मिलेगा।

ग्राहक – भैया, कुछ तो कम कर दो।

फलवाला – नहीं, आपके लिए 28 रु0 लगा देता हूँ।

ग्राहक – नहीं इतने मँहगे नहीं 25 रु0 दर्जन लगा लीजिए।

फलवाला – अच्छा ठीक है कितने चाहिए? एक दर्जन, दो दर्जन।

ग्राहक – दो दर्जन दे दो। भैया अच्छे देना गले हुए निकाल दो।

फलवाला – ठीक है साहब अच्छे ही दूँगा। बेहतरीन चीज मिलेगी। चिन्ता मत करो। माल ठीक दूँगा।

ग्राहक – ये ले पचास रुपये।

फलवाला – ठीक है साहब।

4. दो मित्रों में गणित के प्रश्न पत्र के संबंध में हुई बातचीत लिखिए।

उत्सव – हैलो! अविरल कैसे हो?

अविरल – अरे उत्सव! आओ बैठो।

उत्सव – क्या पढ़ रहे थे?

अविरल – कल गणित का पेपर है, उसी की तैयारी कर रहा था।

उत्सव – अरे पेपर तो मेरा भी है। तो मैं भी तुम्हारे साथ बैठकर पढता हूँ।
(अगले दिन दोनों पेपर देकर आते हुए)

अविरल – उत्सव तुम्हारा पेपर कैसा हुआ? क्या तुम्हें सभी प्रश्न आते थे?

उत्सव – पेपर तो ठीक था। लेकिन खंड 'अ' का दूसरा प्रश्न मुझे नहीं आया। वो प्रश्न मेरा गलत हो गया।

अविरल – मुझे तो वह बहुत आसान लगा, मेरा वह प्रश्न तो ठीक हो गया। लेकिन 'ब' खंड का एक प्रश्न शायद गलत हो।

उत्सव – अच्छा! तुम्हारा भी गलत हो गया।

अविरल – हाँ, अब लगता है। दोनों का एक-एक प्रश्न गलत होने से दोनों के नम्बर भी एक से ही आयेंगे।

उत्सव – हाँ मित्र, तुम ठीक कह रहे हो।

अविरल – चलो घर चलते हैं।

23. कहानी लेखन

अभ्यास

नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर कहानियाँ पूरी कीजिए और उनका शीर्षक लिखिए– (संकेत पुस्तक में देखें)

1. एक बार दो मित्र यात्रा पर जाने के लिए निकले। रास्ते में उन्होंने एक घने जंगल को पार किया। उस जंगल में उन्हें एक भालू मिला। उस भालू को देखकर वे दोनों डर गए, उनमें से एक मित्र पेड़ पर चढ़ना जानता था, वह जल्दी से पेड़ पर चढ़ गया और कहा– मित्र तुम भी जल्दी आ जाओ उसने कहा– नहीं, मैं पेड़ पर चढ़ना नहीं जानता । वह सोच में पड़ गया। गहरा मित्र भी साथ छोड़ गया था। सहसा उसे याद आया कि भालू मृतक को नहीं खाता है। वह साँस रोककर धरती पर लेट गया। कुछ ही देर में भालू उसके पास आ गया। उसे सूँघा और मृत समझकर वापस लौट गया।

भालू के चले जाने के बाद वह उठकर बैठा। तब तक दूसरा पेड़ पर चढ़ा हुआ मित्र नीचे उतरकर आया और उसने मित्र से पूछा, "भालू से तुम कैसे बच गए मित्र! भालू तुम्हारे कान में क्या कह रहा था?"

"मित्र! क्या बताऊँ?" वह गंभीर स्वर में बोला "स्वार्थी मित्रों से मित्रता नहीं करनी चाहिए। तुमने मुसीबत के समय मुझे अकेला छोड़ दिया। आज से हम दोनों अलग हैं।" इतना कहकर दूसरा मित्र वहाँ से चला गया।

2. बोपदेव एक मंदबुद्धि बालक था। वह कभी भी कोई पाठ याद नहीं कर पाता था। उसे रोजाना कक्षा में डाँट खानी पड़ती थी। उसे विश्वास हो गया था कि वह मूर्ख है। एक दिन पाठशाला से घर लौटते हुए उसे प्यास लगी । उसने देखा रास्ते में एक कुआँ है वह कुएँ पर पहुँचा। कुछ स्त्रियाँ उस कुएँ से जल भर रही थीं। उसने उन स्त्रियों से पीने के लिए पानी माँगा। पानी पीते हुए उसकी दृष्टि कुएँ की जगत पर पड़ी और उसने उस पत्थर पर पड़े निशान देखे। उसने उन स्त्रियों से पूछा– ये पत्थर पर पड़े निशान कैसे हैं? स्त्रियों ने बताया कि बाल्टी रस्सी से बाँधकर कुएँ में डालकर बार-बार पानी निकालने से रस्सी के निशान हैं। यह सुनकर उसकी आँखें खुल गई और वह सोचने लगा कि अगर बार-बार के अभ्यास से इस पत्थर पर इतने गहरे निशान पड़ सकते हैं। तो अगर मैं भी बार-बार याद करने का अभ्यास करूँ तो मैं पाठ याद क्यों नहीं कर सकता? ऐसा सोचकर वह फौरन पाठशाला पहुँच गया और गुरुजी के चरणों में गिर पड़ा और गुरुजी से बोला– अब मेरी आँखें खुल गई हैं। मैने मन लगाकर पाठ को याद किया और उसने अपने पढ़े हुए पाठ को गुरुजी को सुनाया। जिसे सुनकर गुरुजी बहुत खुश हुए। और उसे गले लगा लिया। यही बोपदेव आगे चलकर बहुत बड़ा विद्वान बना।

24. पत्र लेखन

अभ्यास

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए–

1. मित्र की माताजी की मृत्यु पर सांत्वना पत्र लिखिए।

उत्तर– ए– 1/16 पश्चिम विहार
नई दिल्ली
23 फरवरी, 20...
प्रिय मित्र मनीष
सप्रेम नमस्कार।

कल मुझे दु:खद समाचार मिला कि तुम्हारी माताजी का अचानक देहांत हो गया है। समाचार सुनकर मैं स्तब्ध रह गया और हृदय को गहरा आघात लगा। अभी पिछले सप्ताह ही तो मैं उनके दर्शन करके लौटा था, तब तो वे पूर्णत: स्वस्थ तथा प्रसन्न दिख रही थीं। नववर्ष पर उन्होनें मुझे एक सुंदर पैन का उपहार भी दिया था। आज रह–रह कर मुझे उनका हँसमुख चेहरा तथा स्नेहिल व्यवहार स्मरण हो रहा है।

प्रिय मित्र! होनी को कोई नहीं टाल सकता। हम सब उसके आगे लाचार हैं। जीवन की डोर किसी अन्य के हाथ में ही है। वह न जाने कब टूट जाए इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। दु:ख की इस घड़ी में अपने को संभालने और संतोष कर लेने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं है। मैं तुम्हारे कष्ट को समझ सकता हूँ तथा माँ की कमी से होने वाले कष्ट को अनुभव कर सकता हूँ, परन्तु मित्र अपने को संभालना। परमपिता ईश्वर की इच्छा सर्वोपरि है। वही उन्हें अपने पास बुला लेता है। उसी परमात्मा ने 'माँ' को भी अपनी शरण में ले लिया है। वह माँ की आत्मा को शांति प्रदान करेगा तथा तुम्हें एवं परिवारजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने का सामर्थ्य प्रदान करेगा।

तुम्हारा शोकाकुल मित्र
राहुल

2. अपने प्रधानाचार्य को आर्थिक सहायता प्राप्त करने हेतु पत्र लिखिए।

उत्तर– सेवा में,
श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय
के. के. जैन हाईस्कूल
खतौली (मुजफ्फरनगर)
25 फरवरी, 20...
महोदय ,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा पाँचवी 'ब' का छात्र हूँ। मेरा अब तक का पढ़ाई

का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। मैने अपनी वार्षिक परीक्षा 98% अंक पाकर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया था। पढ़ाई के अतिरिक्त मैने पुरस्कार जीते हैं।

परंतु कुछ समय से मेरे पिताजी गंभीर रूप से अस्वस्थ हैं जिसके कारण वे अपने काम-काज की देखभाल नहीं कर पा रहे हैं। परिणामत: घर की आर्थिक दशा कमजोर हो गई है। इसलिए मेरे पिताजी मेरा शुल्क देने में असमर्थ हैं। अत: आपसे निवेदन है कि आप मुझे फीस देने के लिए 500 रुपये प्रदान करें। जिससे मैं अपनी पढ़ाई ठीक से जारी रख सकूँ।

आपकी इस कृपा के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
पवन कुमार
कक्षा पाँच 'ब'

3. छात्रावास के सुखद अनुभवों पर पिताजी को पत्र लिखिए।

उत्तर– शांति छात्रावास
अहिंसा सदन
मानव भारती, विद्यालय
देहरादून
29 फरवरी 20...

आदरणीय पिताजी,

सादर चरण-स्पर्श।

आशा है आप पूर्णत: स्वस्थ तथा सकुशल होंगे। मैं पिछले कई दिनों से आपको पत्र लिखने की सोच रहा था, परंतु विद्यालय की मासिक परीक्षाओं में व्यस्त रहने के कारण न लिख पाया। आप मेरे नए छात्रावास के संबंध में जानने को बहुत उत्सुक होंगे। मेरा नया छात्रावास बहुत अच्छा है। जो आपकी चिंता का विषय था। छात्रावास का वातावरण बिल्कुल ऐसा है, जैसे एक परिवार हो। मुझे यहाँ आकर ऐसा नहीं लगा कि मैं किसी नए छात्रावास में आ गया हूँ। एक-दो दिन के बाद ही मेरे सहपाठी मेरे साथ ऐसे घुल-मिल गए, मानों वे मुझे बरसों से जानते हों।

छात्रावास के वार्डन तथा अन्य आचार्यों का व्यवहार भी पुत्रवत् है। वे सभी छात्रों से अत्यंत स्नेह करते हैं। छात्रावास का भोजन भी बिल्कुल घर जैसा है। यहाँ पर सभी प्रकार की सुविधाएँ हैं। आप मेरी ओर से किसी भी प्रकार की चिंता न करें। मैं यहाँ अच्छी प्रकार से पढ़ रहा हूँ।

दीवाली की छुट्टियों में मैं आपके दर्शन करूँगा।

मेरी ओर से पूज्या माताजी को चरण स्पर्श तथा जोजू को स्नेह।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
अनुज

4. अपने मित्र को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखिए।

उत्तर– ए-21 पश्चिम पुरी

नई दिल्ली

23 फरवरी, 20...

प्रिय सौरभ,

मधुर स्मृति।

बहुत-बहुत बधाई हो। मुझे अभी-अभी तुम्हारी मम्मी का संदेश मिला कि तुम वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आए हो।

प्रिय मित्र! इस समाचार को सुनकर मैं फूला नहीं समा रहा हूँ। मेरी ओर से एक बार पुनः ढेर सारी बधाई। मेरे मम्मी-पापा भी तुम्हें अपना आशीर्वाद भेज रहे हैं। तुम पिछले एक वर्ष से जिस प्रकार से परिश्रम एवं लगनपूर्वक अभ्यास कर रहे थे, उसी का परिणाम है कि आज तुम्हें यह सम्मान मिला है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम आगे भी इसी तरह सफलता प्राप्त करते रहो।

मैं स्वयं लड्डू खाने शीघ्र तुम्हारे पास आऊँगा। शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

तरूण

5. नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उनसे अपने मुहल्ले की सफाई कराने का अनुरोध कीजिए।

उत्तर– सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी

(पश्चिमी क्षेत्र)

राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

विषय– मुहल्ले की सफाई के संबंध में

मान्यवर महोदय,

इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान दिल्ली के राजौरी गार्डन क्षेत्र की गंदगी की ओर किया जा रहा है। इस क्षेत्र में स्थान-स्थान पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। नालियों में भी गंदा पानी जमा हो गया है। चारों ओर दुर्गंध फैली हुई है। जिसके कारण इस क्षेत्र के निवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

स्थान-स्थान पर पड़े कूड़े के ढेर तथा नालियों में भरे गंदे पानी से मक्खी-मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। वर्षा के दिनों में स्थिति अधिक गंभीर हो जाएगी। हमने इस क्षेत्र के सफाई-कर्मचारियों और सफाई-निरीक्षक से कई बार बात की मगर हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई । आपसे अनुरोध है कि तो आप स्वयं इस क्षेत्र का दौरा करें।

आशा है आप इस क्षेत्र के निवासियों की इस गंभीर समस्या को सुलझाने के लिए संबंधित व्यक्तियों को उचित निर्देश देंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

दिंनाक.....

दीपक

सचिव, सुधार समिति

25. निबंध लेखन

अभ्यास

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए–

1. युग प्रर्वतक महात्मा गाँधी।
2. दशहरा।
3. वसंत ऋतु।
4. स्वास्थ्य रक्षा।

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं करें।